दुनियाभर के साहित्य प्रेमी महोत्सव में जुटेंगे

आयोजन

- 175 भाषाओं से जुड़े लेखक 190 सत्रों में अपनी बात रखेंगे

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी में पहली बार विश्व का सबसे बड़ा साहित्य उत्सव 11 से 16 मार्च तक मनाया जाएगा। दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा महोत्सव है। साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित होने वाले महोत्सव में 175 भाषाओं के 1100 से अधिक लेखक 190 सत्रों में विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखेंगे।

प्रेसवार्ता के दौरान बुधवार को सचिव डॉ. के श्रीनिवास राव ने बताया कि साहित्य अकादमी संवत्सर व्याख्यान प्रसिद्ध साहित्यकार निर्माता निर्देशक गुलजार करेंगे। दिव्यांग, एलजीबीटीक्यू और ट्रांसजेंडर का भी प्रतिनिधित्व होगा और इनसे जुड़े लेखक भी सत्रों में हिस्सा लेंगे। महोत्सव में 'स्वतंत्रता के बाद के भारतीय साहित्य' पर एक विशेष राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी।

इसमें तीन राज्यों के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान (केरल), विश्वभूषण हरिचंदन (छत्तीसगढ़), सीवी आनंद बोस (पश्चिम बंगाल) विशेष रूप से भाग ले रहे हैं। साहित्य अकादमी की स्थापना का भी 70वां साल मनाया जा रहा है।